समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

भारतीय वायुसेना के 93वे स्थापना दिवस पर पाकिस्तानी शहरों के नाम पर बना डिनर मेन्यू, सोशल मीडिया पर मचा तहलका

Publisher

Published on 09 Oct 2025

भारतीय वायुसेना के **93वे स्थापना दिवस** के मौके पर आयोजित रात्रिभोज ने इस बार लोगों का ध्यान सिर्फ स्वादिष्ट व्यंजनों की ओर ही नहीं, बल्कि **राजनीतिक और सैन्य संदेश** की ओर भी खींचा। रात्रिभोज के मेन्यू में पाकिस्तानी शहरों के नाम पर रखे गए व्यंजन सोशल मीडिया पर वायरल हो गए और लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गए।

मेन्यू में शामिल व्यंजनों में '**रावलपिंडी चिकन टिक्का**', '**बहावलपुर नान**' और '**कराची काठी रोल**' जैसे नाम देखकर हर किसी का ध्यान आकर्षित हुआ। इन नामों का चयन हालिया सैन्य जवाबी कार्रवाईयों और सुरक्षा स्थिति के संदर्भ में किया गया था। विशेषज्ञ इसे भारतीय वायुसेना की '**नया भारत**' **की दृढ़ इच्छाशक्ति और ताकत का प्रतीक** मान रहे हैं।

भारतीय वायुसेना की ओर से इस मौके पर कहा गया कि यह केवल एक **सांकेतिक मेन्यू** है, जो न केवल सैनिकों की हार्दिक रचनात्मकता को दर्शाता है, बल्कि यह यह भी दिखाता है कि भारत अपनी **सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति पूर्ण सजग** है।

सोशल मीडिया पर इस मेन्यू की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो गए। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर लोग इसे **साहसिक और मजाकिया** दोनों रूप में देख रहे हैं। कुछ उपयोगकर्ताओं ने इसे "सैन्य रसोई की रचनात्मकता" कहा, जबकि कुछ ने इसे **राजनीतिक संदेश** के रूप में देखा।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के मेन्यू से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय सेना **सैन्य, रणनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से आत्मविश्वासी** है। यह केवल भोज तक सीमित नहीं, बल्कि इसके जरिए यह संदेश जाता है कि भारत अपनी **राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा** में पूरी तरह सतर्क और सक्षम है।

रात्रिभोज में शामिल अधिकारी और सैनिक इस आयोजन को **मनोरंजक और प्रेरणादायक** दोनों मान रहे थे। मेन्यू में रावलपिंडी चिकन टिक्का, बहावलपुर नान और कराची काठी रोल जैसे व्यंजन शामिल थे, जो स्वाद में उत्कृष्ट होने के साथ-साथ **सैन्य**

भावना और संदेश को प्रकट करने वाला प्रतीक भी थे।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "यह मेन्यू हमारी सेना की **रचनात्मकता और ह्यूमर** का हिस्सा है। यह हमारे जवानों की मनोबल बढ़ाने का एक तरीका है और साथ ही यह दर्शाता है कि हम देश की सुरक्षा के प्रति गंभीर हैं।"

इस मौके पर आयोजित समारोह में **भारतीय वायुसेना के कई वरिष्ठ अधिकारी, पायलट और अन्य कर्मी** शामिल हुए। आयोजन स्थल पर देशभक्ति की झलक साफ नजर आई और रात्रिभोज के दौरान सैनिकों ने आनंद के साथ भोजन किया। मेन्यू के नाम देखकर जवानों में उत्साह और हंसी का माहौल बना रहा।

सोशल मीडिया पर कई उपयोगकर्ताओं ने इस मेन्यू की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, "भारतीय सेना ने अब डिनर टेबल पर भी पाकिस्तान को नहीं छोड़ा।" कुछ ने इसे **सर्जिकल स्ट्राइक के खाद्य संस्करण** तक कह डाला। विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटनाक्रम दर्शाता है कि **सैन्य संगठन अपने संदेश को रचनात्मक और सांस्कृतिक रूप से भी प्रकट कर सकते है**, जो आम जनता के लिए भी आकर्षक हो।

कुल मिलाकर, यह रात्रिभोज न केवल **स्वादिष्ट व्यंजनों** का था, बल्कि इसके माध्यम से भारतीय वायुसेना ने एक **सशक्त और सुसंगठित छवि** पेश की। यह आयोजन भारत की सैन्य ताकत और '**नया भारत**' **के आत्मविश्वास** का प्रतीक बन गया।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की पहल से न केवल सैनिकों में मनोबल बढ़ता है, बल्कि यह आम जनता को भी यह संदेश देती है कि भारतीय सेना **सक्रिय, चौकस और अपनी संप्रभुता के प्रति सजग** है। रात्रिभोज के दौरान इस तरह की रचनात्मकता और रणनीतिक संदेश देने का अंदाज सोशल मीडिया पर भी चर्चा का मुख्य विषय बन गया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.